

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सत्र – २

परीक्षा : अप्रैल/मई – २०२५

विषय: विशेष साहित्यकार उपन्यासकार-प्रेमचंद (भाग - २) (HC - 202)

दि.: ३०/०४/२०२५

कुल अंक : १००

समय : प्रातः १०.०० से दो १.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ 'सेवासदन' उपन्यास की विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए, उसमें अभिव्यक्त समस्याओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।
- प्र. २ 'सेवासदन' उपन्यास में चित्रित नारी चरित्रों के संदर्भ में जानकारी दीजिए।
- प्र. ३ 'सेवासदन' उपन्यास के सामाजिक परिवेश को स्पष्ट करते हुए, पुरुष चरित्रों की स्वाभाविक विशेषताओं को उजागर कीजिए।
- प्र. ४ 'रंगभूमि' उपन्यास की कथावस्तु की विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ५ 'रंगभूमि' उपन्यास में चित्रित चरित्रों के संदर्भ में अपने विचार स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ६ 'रंगभूमि' उपन्यास में वर्णित विविध समस्याओं को विश्लेषित कीजिए।
- प्र. ७ 'निर्मला' उपन्यास एक सुशिल और सुंदर कन्या के जीवन की दुःखभरी कथा है-उपन्यास के आधार पर इस विधान का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
- प्र. ८ 'निर्मला' उपन्यास के चरित्रों की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में किन्हीं दो का संदर्भ लिखिए।
१. अगर मेरा विश्वास नहीं आता, न आवे, जो गहने गढते हो, मत गढ़ना।
 २. लोकमत के अनुसार मैं जीता और तुम हारे, पर मैं जीतकर भी दुखी हूँ और तुम हारकर भी सुखी हो।
 ३. मैं आप का स्नेह कभी न भूलूंगा, ईश्वर से मेरी यही प्रार्थना है कि मेरा पुनर्जन्म आपके गर्भ से हो।
 ४. यह लेख नहीं खुली हुई गालियाँ हैं, और गालियों का उत्तर गाली से मूर्ख देते हैं।
- प्र. १० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।
१. 'सेवासदन' के पद्मसिंह
 २. 'रंगभूमि' उपन्यास का सूरदास
 ३. मन्साराम
 ४. जॉन सेवक।